



आम बजट

अरविन्द मेनन

हर वर्ग को राहत देने वाला

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत इस बार का बजट अस्थिर वैश्विक आर्थिक स्थिति के बीच भारत के नागरिकों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। बजट भारत की संसदीय प्रणाली का गौरवपूर्ण दस्तावेज होता है। इस बार के बजट की सात प्राथमिकताएं-समावेशी विकास, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना, बुनियादी ढांचा और निवेश, क्षमता को उजागर करना, ग्रीन ग्रोथ को बढ़ाना, युवा शक्ति और वित्तीय क्षेत्र में प्रोत्साहन-हैं। ये प्राथमिकताएं ही आजादी के अमृतकाल में सप्तराष्ट्र की तरह हमारा मार्गदर्शन करेंगी।

अमृत काल का यह पहला बजट विकसित भारत के विराट संकल्प को पूरा करने के लिए मजबूत नींव का निर्माण करेगा। यह बजट वंचितों को वरीयता, आज के आकांक्षी समाज, गांव, गरीब, किसान और मध्यम वर्ग यानी सभी वर्गों के सपनों को पूरा करने वाला है। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। यह वह नींव है, जो आने वाले पच्चीस साल में विकसित भारत के आत्मविश्वास को बुलंद करेगी और वैश्विक स्तर पर देश की साख को और मजबूती प्रदान करेगी। यह बजट समाज के हर वर्ग को राहत देने वाला है। विशेषकर मध्यम वर्ग के लिए जो टैक्स स्लैब बनाया गया है, वह बहुत ही प्रशंसनीय है। युवा, महिला, वरिष्ठ नागरिक, निम्न वर्ग सभी को इस बजट में राहत दी गई है। बजट से महिलाओं का सम्मान बढ़ा है, बच्चों और किशोरों के लिए डिजिटल लाइब्रेरी की घोषणा से जिला स्तर पर बच्चे कैसे पढ़ेंगे और बढ़ेंगे, इसका उल्लेख किया गया है। नारी शक्ति सशक्त राष्ट्र का निर्माण कैसे कर सकती है, इसका प्रतिबिंब इस बार के बजट में साफ-साफ दिखता पड़ता है।

गांव से लेकर शहर तक में रहने वाली हमारी महिलाओं के जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। इस बार के बजट में कल्याणकारी योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से देश का सतत विकास सुनिश्चित किया गया है। बजट का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के लिए अवसरों को सुविधाजनक बनाना, विकास और रोजगार सृजन को तेज गति प्रदान करना और व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना है। 2014 से सरकार के प्रयासों ने सभी नागरिकों के जीवन की बेहतर गुणवत्ता और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित किया है। प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 1.97 लाख रुपये हो गई है। इन्होंने



नौ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरी है। वर्तमान वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने, जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण में भी जताया गया है, का अनुमान है, यह विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर है, और उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर बढ़ रही है। 2014 की तुलना में इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश पर भी 400 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि की गई है। इस बार इंफ्रास्ट्रक्चर पर दस लाख करोड़ रुपये का अभूतपूर्व निवेश होगा। यह निवेश युवाओं के लिए

रोजगार और बड़ी आबादी के लिए आय के नये अवसर पैदा करेगा। बजट में एमएसएमई की जब्त की गई 95% राशि वापस की जाएगी, 5जी-लैब एप्लिकेशंस के लिए 100 लैब बनाई जाएगी, 2030 तक 5एमएमटी ग्रीन हाइड्रोजन प्रोडक्शन का लक्ष्य रखा गया।

अगले तीन साल में एकलव्य स्कूलों में 38,800 अध्यापकों और सहयोगी स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी, देश में राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय स्थापित किया जाएगा, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना के तहत पंद्रह लाख रुपये तक की सीमा को बढ़ा कर तीस लाख रुपये किया गया है, ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में 35 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 20,700 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 की शुरुआत की जाएगी। देश में 30 'स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर' स्थापित किए जाएंगे, रेलवे का कायापलट करने के लिए 2.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर 75,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, पचास नये एयरपोर्ट और हेलीपैड बनाए जाएंगे और शहरी विकास पर सालाना 10,000 करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा। इन सभी उपायों से समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान में महत्वाकांक्षी सुधार आएंगे और रोजगार के विभिन्न अवसर पैदा होंगे।

बजट सहकारिता को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास की धुरी बनाने वाला है। सरकार ने को-ऑपरेटिव सेक्टर में दुनिया की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना बनाई है। यह व्यावहारिक बजट पूरी तरह से बहुमुखी विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने और भारत को वैश्विक स्तर पर आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है। भारत प्रथम, नागरिक प्रथम के उद्देश्य के साथ मोदी सरकार का यह बजट निरंतर व्यक्तियों, समुदायों और समाज को सशक्त बनाकर बेहतर भारत के निर्माण के लिए अप्रत्याशित रूप से प्रतिबद्ध है।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री हैं)
